केंद्र ने एमएसएमई को दी नई पहचान : निर्मला

लखनऊ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) को बीते दशकों में जो पहचान मिलनी चाहिए थी, वह नहीं मिली। मगर पिछले सात साल में केंद्र सरकार ने एमएमएमई को नई पहचान दी है। भारत के कुल निर्यात में 30 से 40 फीसदी हिस्सा एमएसएमई उत्पादों का है। वित्त मंत्री ने ये बातें शनिवार को लखनऊ में सिडबी व इंडिया एग्जिम बैंक के संयुक्त तत्वावधान में 'उभरते सितारे योजना' को लॉन्च करने के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि उभरते सितारे योजना की घोषणा वर्ष 2020 के बजट में की गई थी, लेकिन कोरोना काल के कारण इसे लागू करने में विलंब हुआ है। यह एमएसएमई और एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) से जुड़े उद्योगों को आर्थिक व तकनीकी सहयोग देने की महत्वाकांक्षी योजना है। यूपी में

केंद्रीय वित्त मंत्री ने 'उभरते सितारे' योजना को किया लॉन्च

सर्वाधिक एमएसएमई व ओडीओपी इकाइयों होने के कारण यहां के उद्यमियों को इस योजना का सबसे अधिक लाभ होगा। इस योजना से भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने और भारत में आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि एमएसएमई के लिए बजट की कमी नहीं है। इन उद्योगों को आर्थिक और तकनीकी सहयोग के साथ बाजार की व्यवस्था कर दी जाए तो इससे न केवल अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा, बल्कि रोजगार में तेजी से वृद्धि होगी। साथ ही कहा कि केंद्र सरकार ने बीते दो साल में एमएसएमई के लिए खास कदम उठाए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत छोटे उद्यमियों को अपने खाते समर्पित करते समय ऑडिट प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है बल्कि उद्यमी स्वयं ही सत्यापित कर खाता प्रस्तुत कर सकता है।

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए बहुत काम किया है। एमएसएमई में लगभग 2.6 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उभरते सितारे योजना की सफलता के लिए प्रदेश सरकार हर संभव मदद करेगी। कार्यक्रम को सिडबी के अध्यक्ष एस रमण, वित्त विभाग के अतिरिक्त सचिव पंकज जैन और एग्जिम बैंक की उप प्रबंध निदेशक हर्षा बंगारी ने भी संबोधित किया।